पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

———————

राज्यपाल ने एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग के लिए हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर तथा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की

———————

उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए प्रदेश के विश्वविद्यालय परस्पर साझेदारी, आपसी तालमेल व टीम वर्क बढ़ाएं

———————

पड़ोसी देशों व राज्यों के शिक्षण कार्यक्रमों, ऑनलाइन कक्षाओं में शिक्षकों–विद्यार्थियों की प्रतिभागिता बढ़ाकर अपना दायरा बढ़ाएं

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

लखनऊः 24 अगस्त, 2023

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहां राजभवन में दो अलग–अलग बैठकों में हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर तथा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। एच.बी.टी.यू. कानपुर का प्रस्तुतिकरण कुलपति प्रो0 शमसेर के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की टीम ने तथा एम.एम.एम.टी.यू., गोरखपुर का प्रस्तुतिकरण प्रोफेसर गोविंद पांडेय डीन प्लानिंग के नेतृत्व में विश्वविद्यालयों की टीम ने किया। प्रस्तुतिकरण के दौरान एन0आई0डी0 चंडीगढ़ से उपक्रम के सदस्य प्रोफेसर संजीत भी ऑनलाइन जुड़े रहे।

एच.बी.टी.यू. कानपुर के कुलपति ने राज्यपाल जी को जानकारी दी कि विश्वविद्यालय एन.आई.आर.एफ. में अपनी इंजीनियरिंग फैकेल्टी की रैंकिंग हेतु आवेदन की तैयारी कर रहा है। उन्होंने 2020 में विश्वविद्यालय की एन.आई.आर.एफ.

रैंकिंग की चर्चा करते हुए बताया कि उस दौरान कोरोना काल में व्यवस्थाएं प्रभावित हो जाने से उल्लेखनीय रैंकिंग प्राप्त नहीं की जा सकी थी। इस बार उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए राज्यपाल जी की प्रेरणा और दिशा –निर्देश में समग्रता से प्रयास किए जा रहे हैं।

एम.एम.एम.टी.यू. गोरखपुर के डीन प्लानिंग प्रोफेसर गोविंद पांडेय ने राज्यपाल जी को जानकारी दी कि वर्ष 2020 में भी विश्वविद्यालय द्वारा एन.आई. आर.एफ. में आवेदन किया गया था, लेकिन पर्याप्त जानकारियों के अभाव में सशक्त प्रस्तुतिकरण न होने से 183 रैंक प्राप्त हो सकी थी। इस बार विश्वविद्यालय अपनी इंजीनियरिंग फैकेल्टी की रैंकिंग के लिए एन.आई.आर.एफ. में आवेदन देगा।

राज्यपाल जी ने दोनों विश्वविद्यालयों के प्रस्तुतिकरण की बिंदुवार समीक्षा करते हुए व्यापक सुधार के साथ एन.आई.आर.एफ. हेतु आवेदन करने को कहा। उन्होंने सुदृढ़ टीम वर्क के साथ कार्य करने, परस्पर साझेदारी बढ़ाने, रैंकिंग के लिए निर्धारित मानकों पर बिंदुबार तैयारी करने, प्रत्येक कार्य के लिए एक टीम गठित करने, कार्यों का व्यापक विभाजन करके शीघ्र कार्य पूर्ण करने और पूर्ण कार्यों का डाटा टीम तक उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा एनआईआरएफ रैंकिंग के साथ–साथ क्यू0एस0 अंतर्राष्ट्रीय एवं एशिया रैंकिंग के लिए भी अपना डाटा तैयार करें।

प्रस्तुतिकरण में उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए राज्यपाल जी ने पड़ोसी राज्यों और पड़ोसी देशों के शिक्षकों और विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों और ऑनलाइन शिक्षण कक्षाओं में जोड़ने, व्यापक एम०ओ०यू० करके विश्वविद्यालयों का दायरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तृत करने, विश्वविद्यालयों को परस्पर शोध कार्यों– प्रोजेक्ट कार्यों में सहभागिता करने, 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों

को, विशेष रूप से पिछड़े एवं अनुसूचित तथा आदिवासी वर्ग के बच्चों को विश्वविद्यालय में तकनीकी शिक्षा के लिए प्रेरित करने को कहा।

विशेषज्ञ के तौर पर चंडीगढ़ से ऑनलाइन जुड़े प्रोफेसर संजीत ने विश्वविद्यालय को एन.आई.आर.एफ. में श्रेष्ठ रैंकिंग हेतु कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा शोध एवं प्रोजेक्ट कार्यों में भी सहभागिता के लिए कहा। उन्होंने जानकारी दी की एन.आई.आर.एफ. में ओवरऑल विश्वविद्यालय रैंकिंग के लिए आवेदन करने पर जो विश्वविद्यालय नैक 'ए प्लस प्लस ग्रेड' प्राप्त है उन्हें 03 मार्क्स, 'ए प्लस' ग्रेड पर 02 मार्क्स तथा 'ए ग्रेड' पर 01 मार्क्स प्राप्त होते हैं। यह मार्क्स एन.आई.आर. एफ. के पांचवी क्राइटेरिया में जोड़े जाते हैं।

आज की बैठकों में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्य अधिकारी शिक्षा श्री पंकज जॉनी तथा दोनों विश्वविद्यालयों की एन.आई. आर.एफ. टीम के सदस्य एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

————————

डॉ0 सीमा गुप्ता,
सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र 8318116361

राजभवन उत्तर प्रदेश